(b) if so, the quantity and price of the cotton purchased during the last three years alongwith their price, yearwise?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY): (a) and (b) In the wake of spurt in cotton prices the Government has requested State Co-operative Federation and Cotton Corporation of India to slow down the purchases particularly in the Northern States of Punjab, Haryana and Rajasthan. Details of quantity purchased in Punjab by Cotton Corporation of India during the last 3 years along with prices paid are as under:—

(quantity in lakh bales)

Year	Quantity
1990-91	1,31,268
1991-92	2,07,369
1992-93	3,28,043
1993-94 (As on 23.2.94)	68,941

(Rs. per Quintal of Kapas)

	1990-91	1991-92	1992-93	1993-94 (As on 23.2.94)
SP	605	680	785	805
J-34 SG	1125/776	1430/1150	1250/900	1585/1170
SP	620	695	800	900
F-414	1210/730	1560/1170	1295/965	1760/1210

भारतीय कपास निगम द्वारा निर्यात अनुबन्ध

994. **श्रीमती सुषमा स्वराज:**
श्री राम जेठमलानी: क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में भारतीय कपास निगम ही एकमात्र ऐसा संगठन है जिसे कपास निर्यात का दायित्व सौंपा गया है;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1992-93 के दौरान और चालू वर्ष 1993-94 के दौरान कितने मूल्य के और कितनी मात्रा में कपास-निर्यात करने के अनुबन्धों पर निगम द्वारा विदेशों के साथ हस्ताक्षर किये गये;

(ग) क्या यह भी सच है कि उपरोक्त वर्षों के दौरान इन निर्यात अनुबन्धों से निगम को घाटा उठाना पड़ा है, यदि हां, तो घाटे की राशि कितनी है;

(घ) यदि नहीं, तो इस अवधि में कितना आर्थिक लाभ हुआ;

(ङ) उन अनुबन्धों की संख्या कितनी है जिन्हें देश में कपास-निर्यात पर प्रतिबन्ध लगाए जाने के कारण क्रियान्वित नहीं किया जा रहा है और इसमें अन्तर्ग्रस्त कपास की मात्रा कितनी है;

(च) क्या सरकार ने इन अनुबन्धों के गैर-क्रियान्वयन के कारण हुए लाभ अथवा हानि का मूल्यांकन किया है; और

(छ) क्या यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जी॰ वेंकट स्वामी): (क) और (ख) कपास के निर्यात की अनुमति विशिष्ट सरकारी एजेंसियों के माध्यम से दी जाती है जैसे कि भारतीय कपास निगम, भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन परिसंघ (नेफेड), कपास उपजाने वाले राज्यों में राज्य स्तरीय शीर्ष परिसंघ तथा निजी व्यापार क्षेत्र। वर्ष 1992-93 के कपास मौसम तथा चालू मौसम के दौरान निगम द्वारा कपास के निर्यात के लिए विदेशों

के साथ हस्ताक्षरित किए गए करारों के सम्बन्ध में कपास की मात्रा तथा अनुमानित मूल्य निम्न प्रकार है:—

वर्ष	मात्रा (लाख गांठ में)	मूल्य (करोड़ रु० में)
1992-93	7.27	399.85
1993-94 (9-2-94 की स्थिति के अनुसार)	1.13	76.36

(ग) जी, नहीं।

(घ) लेखा वर्ष के आधार पर भारतीय कपास निगम को होने वाला वित्तीय लाभ निम्न प्रकार है:—

लेखा वर्ष	निर्यात में लाभ (ए पी पी) प्रति गांठ
1992-93	890 रु०
1993-94 (अनन्तिम)	550 रु०

(ङ) भारतीय कपास निगम से संबंधित 24 करारों, जिन्हें कपास के निर्यात के अस्थाई आस्थगन के कारण क्रियान्वित नहीं किया जा रहा है, की कुल मात्रा 21,850 गांठ है।

(च) और (छ) भारतीय कपास निगम से संबंधित इन करारों का क्रियान्वयन न करने के कारण संभावित वित्तीय देयता का अनुमान 4.87 करोड़ रु० बतलाया गया है।

Meeting of the Cotton Advisory Board

995. DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the meeting of the Cotton Advisory Board held during the end of last month concluded without arriving at any estimate on the availability, supply and demand of cotton in the country though it was listed in the agenda;

(b) whether it is also a fact that during the meeting the Textile Commissioner pulled up the traders and millers for misguiding the Board with contradictory statements on cotton figures; and

(c) if so, what are the details in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI G. VENKAT SWAMY): (a) In the meeting of the Cotton Advisory Board held on the 28th January, 1994 a revised assessment on the cotton crop production for the cotton year 1993-94 and formulation of a revised cotton budget on that basis were not done.

(b) and (c) It is not true that in the meeting of the CAB held on the 28th January, 1994 the Textile Commissioner pulled up the traders and millers for misguiding the Board with contrary statements of cotton figures. He, however, mentioned in the meeting that once an assessment of crop production was made by the Board on the basis of the most credible and realistic figures arrived at in the meeting in respect of each state without any dissenting note from any of the members, it was not proper on the part of the members to disregard the estimate so made by the Board and go on briefing the press and others concerned, that their own estimates were the most realistic and that the Board's assessment was biased.

Auctioning of Jewellery and Ornaments of Cotton Growers

996. DR. YELAMANCHILI SIVAJI: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that while addressing the cotton growers conference on 24th April, 1993 at Guntur in Andhra Pradesh he had directed the nationalised banks not to resort to auctioning of the jewellery/ornaments of the cotton growers that were hypothecated with the banks;

(b) if so, whether these directions are being implemented by the nationalised banks; and

(c) if not, what are the reasons therefor?